"बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी.2-22-छत्तीसगढ़ गजट / 38 सि. से. भिलाई. दिनांक 30-05-2001."

पंजीयन क्रमांक
"छत्तीसगढ़/दुर्ग/09/2013-2015."

छत्तीसगढ़ राजपत्र

(असाधारण)
प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 456] रायपुर, गुरुवार, दिनांक 25 जुलाई 2019 — श्रावण 3, शक 1941

सहकारिता विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर

अटल नगर, दिनांक 25 जुलाई 2019

अधिसूचना

क्रमांक/एफ 15–35/15–2/2019/2/3. — सहकारी सोसाइटियों के रजिस्ट्रार से प्राप्त प्रतिवेदन दिनांक 06.07.2019 से राज्य सरकार को यह समाधान हो गया है कि, लोकहित में विकास कार्यक्रमों के समुचित कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक है कि जिला बलौदा बाजार–भाटापारा छत्तीसगढ़ की कतिपय प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसाइटियों का पुनर्गठन किया जाए।

अत्एव छत्तीसगढ़ सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा 16–ग की उप–धारा (1) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य शासन एतद्द्वारा, प्रदेश के प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसाइटियों को पुनर्गठित करने के लिए पुनर्गठन योजना "जिला बलौदा बाजार–भाटापारा छत्तीसगढ़ की प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसाइटियों की पुनर्गठन योजना, 2019" जारी करता है, इस पुनर्गठन योजना को कार्यान्वित किया जाए।

संलग्न :– पुनर्गठन योजना, 2019

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
पी.एस. सर्पराज, उप–सचिव.

जिला बलौदा बाजार–भाटापारा, छत्तीसगढ़ की प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसाइटियों की पुनर्गठन योजना, 2019

01. संक्षिप्त नाम, प्रारंभ तथा विस्तार :–

(क) यह योजना "जिला बलौदा बाजार–भाटापारा, छत्तीसगढ़ की प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसाइटियों की पुनर्गठन योजना, 2019" कहलाएगी।

(ख) यह योजना छत्तीसगढ़ राजपत्र (असाधारण) में प्रकाषित होने की तिथि से प्रभावषील होगी।

(ग) यह योजना छत्तीसगढ़ राज्य के जिला बलौदा बाजार–भाटापारा की उन प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसाइटियों के लिए लागू होगी, जो अनुसूची एक, दो एवं तीन में अधिकथित है।

02. परिभाषाएँ :– इस योजना में जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:–

(क) "अधिनियम" से अभिप्रेत है, छत्तीसगढ़ सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 (क्र. 17 सन् 1961) ।

(ख) "नियम" से अभिप्रेत है, छत्तीसगढ़ सहकारी सोसाइटी नियम, 1962 ।

(ग) "पुनर्गठन" से अभिप्रेत है, इस योजना में अधिकथित अनुसार किसी विद्यमान सोसाइटी के कार्यक्षेत्र आस्तियों, दायित्वों तथा सदस्यता आदि का किसी अन्य सोसाइटी को भागतः या पूर्णतः अन्तरण अथवा विभाजन द्वारा नवीन सोसाइटी का गठन।

(घ) "प्रभावित सोसाइटी" से अभिप्रेत है, कोई ऐसी विद्यमान सोसाइटी जिससे किसी अन्य सोसाइटी को कार्यक्षेत्र, आस्तियां, दायित्व तथा सदस्यता आदि अन्तरित की गई हो।

(ङ) "परिणामी सोसाइटी" से अभिप्रेत है, कोई ऐसी विद्यमान सोसाइटी जिसे किसी प्रभावित सोसाइटी का कार्यक्षेत्र, आस्तियां, दायित्व तथा सदस्यता आदि अन्तरित की गई हो।

(च) "नवीन सोसाइटी" से अभिप्रेत है, कोई ऐसी सोसाइटी जो विद्यमान नहीं हो परन्तु जिसे इस योजना के परिणामस्वरूप रजिस्ट्रीकृत किया जाए।

(छ) "बैंक" से अभिप्रेत है, छत्तीसगढ़ राज्य की जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, रायपुर।

(ज) "रजिस्ट्रार" से अभिप्रेत है, सहकारी सोसाइटियों का रजिस्ट्रार अथवा छत्तीसगढ़ सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 के अधीन नियुक्त रजिस्ट्रार की शक्तियां जिसे प्रयोक्त हो.

03 पुनर्गठन की रीति :–

(क) किसी विद्यमान सोसाइटी के कार्यक्षेत्र, आस्तियों, दायित्वों, कर्मचारी वृन्द तथा सदस्यता आदि को किसी अन्य एक या अधिक विद्यमान सोसाइटियों को भागतः या पूर्णतः अन्तरित करके, या

(ख) किसी विद्यमान सोसाइटी या सोसाइटियों को दो या अधिक नवीन सोसाइटियों में विभाजित करके, या

(ग) किसी विद्यमान सोसाइटी या किन्हीं विद्यमान सोसाइटियों को उक्त (क) एवं (ख) दोनों में उल्लेखित रीतियों से; किया जायेगा।

04. पुनर्गठन :– नियत तिथि से –

(क) "अनुसूची–एक" के कॉलम (2) में अधिकथित विद्यमान सोसाइटियों के कार्यक्षेत्र में से कॉलम (3) में अधिकथित कार्यक्षेत्र अपवर्जित हो जाएगा और ऐसा अपवर्जित कार्यक्षेत्र उसी के समक्ष कॉलम (4) में अधिकथित विद्यमान सोसाइटियों के कार्यक्षेत्र में सम्मिलित हो जाएगा।

(ख) "अनुसूची–दो" के कॉलम (2) में अधिकथित विद्यमान सोसाइटियों का विभाजन कॉलम (3) में अधिकथित नवीन सोसाइटियों में हो जाएगा तथा ऐसी नवीन सोसाइटियों के कार्यक्षेत्र कॉलम (4) में उनके समक्ष अधिकथित अनुसार होंगे।

(ग) "अनुसूची–तीन" के कॉलम (2) में अधिकथित विद्यमान सोसाइटियों के कार्यक्षेत्र में से कॉलम (3) में अधिकथित कार्यक्षेत्र अपवर्जित हो जाएगा और ऐसा अपवर्जित कुछ क्षेत्र उन्हीं के समक्ष कॉलम (4) में अधिकथित विद्यमान सोसाइटियों के कार्यक्षेत्र में सम्मिलित हो जाएगा तथा कुछ क्षेत्र उन्हीं के समक्ष कॉलम (5) में अधिकथित नवीन सोसाइटियों का कार्यक्षेत्र हो जाएगा।

05. पुनर्गठन की प्रक्रिया :–

(क) इस योजना की एक प्रति प्रभावित सोसाइटियों को भेजी जावेगी, जिस पर वे अपना अभ्यावेदन 15 दिवस की समयावधि में प्रस्तुत कर सकेंगे।

(ख) इस योजना के छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिवस की समयावधि में प्रभावित एवं परिणामी सोसाइटी का सदस्य लिखित अभ्यावेदन संबंधित जिले के उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं के समक्ष तीन प्रतियों में प्रस्तुत कर सकेगा।

(ग) प्राप्त अभ्यावेदनों को संबंधित जिले के उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं द्वारा परीक्षण कर अभिमत सहित रजिस्ट्रार को प्रस्तुत किया जायेगा। रजिस्ट्रार अपने अभिमत सहित राज्य सरकार के समक्ष उनके प्राप्त होने की तिथि से 15 दिवस की समयावधि में प्रस्तुत करेगा। अभ्यावेदन निराकरण के लिए नवीन सोसाइटी के गठन के संबंध में निम्नांकित मार्गदर्शी बिन्दुओं को यथासंभव ध्यान में रखा जावेगा :–

(एक) सोसाइटी का ऋण वितरण सामान्य क्षेत्र के लिए 2.00 करोड़ रुपये तथा अनुसूचित क्षेत्रों के समितियों के लिए 1.00 करोड़ रुपये हों।

(दो) सोसाइटी के कार्यक्षेत्र में कृषि योग्य रकबा सामान्य क्षेत्र में कार्यरत् सोसाइटी के लिए 1500 हेक्टेयर तथा अनुसूचित क्षेत्र में कार्यरत सोसाइटी के लिए 2000 हेक्टेयर होगा।

(तीन) सोसाइटी का कार्यक्षेत्र सामान्य क्षेत्र में कार्यरत् सोसाइटी के लिए 10 किमी तथा (घ) अनुसूचित क्षेत्र में कार्यरत् सोसाइटी के लिये 20 किमी होगा।

(चार) सोसाइटी की सदस्यता न्यूनतम 750 होगी।

(पाँच) पुनर्गठन में ग्राम पंचायत एवं पटवारी हल्का का विखण्डन न हो, अर्थात् एक ग्राम पंचायत व एक पटवारी हल्का के समस्त ग्राम एक ही सोसाइटी में हो।

(छः) सोसाइटी का कार्यक्षेत्र दो विकासखण्ड या दो तहसीलों में न हो।

(सात) सोसाइटी के ग्राम यथा संभव एक ही विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत हो।

(आठ) सोसाइटी मुख्यालय में पहुंच हेतु नदी, नाले आदि बाधक न हो।

(नौ) सोसाइटी का मुख्यालय यथासंभव वहीं हो, जहां पर गोदाम, अन्य आधारभूत संरचना निर्मित हो।

(घ) राज्य सरकार द्वारा अभ्यावेदनों का निराकरण अधिकतम 30 दिवस के भीतर किया जाएगा।

(ङ) अभ्यावेदनों पर राज्य सरकार का विनिश्चय अन्तिम होगा।

(च) इस योजना की प्रति बैंक को दी जाएगी, प्रति प्राप्त हो जाने के पश्चात् 15 दिवस की समयावधि में बैंक का बोर्ड उस पर विचार करके प्रस्तावित पुनर्गठन योजना के सम्बन्ध में परामर्श लिखित रूप से रजिस्ट्रार के समक्ष प्रस्तुत करेगा, ऐसे परामर्श को रजिस्ट्रार अपने अभिमत के साथ राज्य सरकार को प्रस्तुत करेगा और राज्य सरकार उस पर अपना विनिश्चय यथाशीघ्र करेगी।

(छ) प्राप्त अभ्यावेदनों तथा बैंक से प्राप्त परामर्श पर सम्यक विचारोपरान्त यदि राज्य सरकार चाहे तो इस योजना में आवश्यक परिवर्तन, उपान्तरण, संशोधन कर सकेगी तथा अंतिम प्रकाशन किया जायेगा, जो सभी पक्षों पर बंधनकारी होगा, तदुपरांत संबंधित प्राधिकारी यथाशीघ्र आवश्यक आदेश तथा अन्य सभी आवश्यक कार्यवाहियाँ करेंगे।

06. सदस्यता, आस्तियां एवं दायित्व :–

(क) प्रभावित सोसाइटियों के अपवर्जित कार्यक्षेत्र से संबंधित सदस्यता, आस्तियां एवं दायित्व उन परिणामी सोसाइटियों को अन्तरित हो जाएंगे जिन्हें ऐसे अपवर्जित कार्यक्षेत्र अन्तरित हुए हों।

(ख) प्रभावित सोसाइटियों के ऐसे अपवर्जित कार्यक्षेत्र जिनसे नवीन सोसाइटियों का गठन हो रहा हो, से सम्बंधित सदस्यता, आस्तियां एवं दायित्व नवीन सोसाइटियों की सदस्यता, आस्तियां एवं दायित्व होंगे।

(ग) आस्तियों तथा दायित्वों का विभाजन करने के लिए सामान्यतया 30 जून, 2019 की स्थिति में सदस्यों पर अवशेष ऋण को आधार माना जाएगा।

07. रजिस्ट्रेशन/निरसन :–

(क) इस योजना के कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप जिन नवीन सोसाइटियों का गठन होना आशायित होगा उनके रजिस्ट्रीकरण के आदेश, प्रमाण पत्र तथा उपविधियां रजिस्ट्रार के द्वारा या उसके अधीनस्थ ऐसे संयुक्त/उप/सहायक रजिस्ट्रार के द्वारा तैयार किये एवं जारी किये जाएंगे, जो अधिनियम की धारा 9 के अधीन रजिस्ट्रीकरण करने के लिए सशक्त होगा।

(ख) जहॉ आवश्यक हो वहॉ ऐसी प्रभावित सोसाइटियों, जिनके अस्तित्व को बनाये रखना आवश्यक नहीं होगा, के रजिस्ट्रीकरण को सक्षम अधिकारी द्वारा संबंधित विधि अनुसार रद्द किया जावेगा।

08. प्रबन्ध :–

(क) योजना प्रभावशील होने के साथ ही प्रभावित सोसाइटियों तथा परिणामी सोसाइटियों में जहॉ कहीं निर्वाचित बोर्ड होगा, वह तथा ऐसी सोसाइटी का प्रतिनिधि कार्य करने से परिविरत हो जाएगा तथा सोसाइटी के कामकाज का प्रबंध करने के लिए, उप/सहायक पंजीयक के आदेश द्वारा किसी व्यक्ति अथवा व्यक्तियों को अस्थायी रूप से आदेश में उल्लिखित कालावधि तक के लिए अथवा बोर्ड के नये निर्वाचन होने तक के लिए नियुक्त किये जा सकेंगे। एकाधिक व्यक्तियों की दशा में कोई एक व्यक्ति को अध्यक्ष नियुक्त किया जाएगा। परन्तु अशासकीय व्यक्ति/व्यक्तियों को नियुक्त करने की दशा में वह या वे ऐसे व्यक्तियों में से होंगे जो उस सोसाइटी के सदस्य हो।

(ख) नवीन सोसाइटियों का प्रबन्ध,उसे रजिस्ट्रीकृत करने वाले अधिकारी के आदेश द्वारा अस्थायी रूप से नियुक्त किसी व्यक्ति या व्यक्तियों में निहित होगा।

(ग) प्रभावित सोसाइटी, परिणामी सोसाइटी तथा नवीन सोसाइटी का प्रतिनिधित्व, प्रतिनिधि का नया निर्वाचन होने तक वह व्यक्ति करेगा जिसे उपरोक्त कंडिका (क) में विहित अनुसार नियुक्त किया गया हो परन्तु व्यक्तियों की दशा में उनके संकल्प द्वारा प्रतिनिधि की नियुक्ति की जाएगी।

09. कर्मचारीवृन्द :–

(क) नवीन सोसाइटियों में प्रबन्धक की नियुक्ति नियमों के अनुसार की जाएगी।

(ख) प्रभावित सोसाइटियों के कर्मचारीवृन्द अन्तरित कार्यक्षेत्र के अनुरूप परिणामी सोसाइटियों के कर्मचारी हो जाएंगे।

10. अधिकार, हित और कर्त्तव्य आदि :–

(क) परिणामी सोसाइटियों को अन्तरित कार्यक्षेत्र से सम्बन्धित समस्त अधिकार, हित, कर्त्तव्य बाध्यताएँ आदि उनमें ही निहित होंगी।

(ख) नवीन सोसाइटियों में उनके कार्यक्षेत्र से सम्बन्धित समस्त अधिकार, हित कर्त्तव्य, बाध्यताएँ आदि निहित होंगी।

11. विवाद :– इस योजना से प्रभावित सदस्यता, आस्तियों, दायित्यों एवं कर्मचारीवृन्द विषयक कोई भी विवाद अधिनियम की धारा 64 के अधीन संयुक्त पंजीयक/पंजीयक द्वारा निराकृत किया जाएगा।

12. आदेश जारी करने की शक्तियां :– इस योजना के कियान्वयन में आने वाले कठिनाइयों, समस्याओं, विवादों आदि को दूर करने तथा योजना के क्रियान्वयन को सुकर बनाने के लिए राज्य सरकार तथा रजिस्ट्रार ऐसे अनुषांगिक और परिणामिक आदेश कर सकेंगे जैसा कि परिस्थितियों द्वारा अपेक्षित हो, यह और भी कि रजिस्ट्रार समय–समय पर ऐसा निर्देश/मार्गदर्शन भी जारी कर सकेगा, जैसा कि वह आवश्यक समझे।

संलग्न :– अनुसूची – एक, दो एवं तीन

जिला बलौदा बाजार–भाटापारा, छत्तीसगढ़ की प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसाइटियों की पुर्नगठन योजना, 2019

अनुसूची–एक

क.	विद्यमान सोसायटी जो प्रभावित है (प्रभावित सोसायटी)	अपवर्जित कार्यक्षेत्र (ग्रामों का नाम)	विद्यमान सोसायटी जिसमें अपवर्जित क्षेत्र जुड़ा है (परिणामी सोसायटी)
1	2	3	4
1	लाहोद	भरसेला(नया)	छेरकापुर
2	तिल्दा	कोरदा	लवन
3	सिरियाडीह	गंगई	सरखोर
4	सरखोर	बाजारभाठा	सिरियाडीह
5	लवन	परसापाली	तिल्दा
		खम्हरडीह	लाहोद
6	हटौद	आमाखोहा, मोतीपुर, भंवरीद	पिसीद
7	सलौनीकला	ठाकुरदिया	टुण्डरी
8	टुण्डरी	भण्डोरा, देवरबोड,रमतला, खैरझिटी, अर्जुनी, टारापारा	बिलाईगढ
9	सोहागपुर	मोहतरा, नरेशनगर	गाताडीह
10	गाताडीह	दुरूग, धनोरा गाडापाली,बोईरडीह, घोघरी,घोघरा,	सोहागपुर
11	मटिया	खपराडीह	टुण्डरा
		कौवाताल	गिरौद
12	गिरौद	पाढी	हटौद
		कसौदी	देवरीनगेडी
13	कुसमी	घिरघोल	पलारी (दतान नवीन प्रस्तावित)
14	खोखली	पेन्डरी	भाटापारा
15	गुर्रा	खम्हरिया, मिरगी, परसाडीह	अर्जुनी
16	टेंहका	बीजाभाट, गोगिया	खोखली
		खैरी(आर), राजाढार, आलेसुर	गुर्रा
17	खैरा	खपरी(आर), बिटकुली	केशला
18	लेवई	सेम्हराडीह	निपनिया
19	केशला	सोनाडीह, बोईरडीह	रसेडा
20	विश्रामपुर	तुलसी, तोरा ,चकरावाय	दामाखेडा
21	रिसदा	दशरमा	खम्हरिया
22	खम्हरिया	ढेकली	रिसदा
23	भरसेला	छुईहा	बलौदाबाजार
24	सेमराडीह	करमनडीह	रिसदा
25	करमदा	सलौनी	भरसेला
26	रसेड़ा	रसड़ी	डमरू
27	डमरू	झोका	रसेड़ा
28	बलौदाबाजार	सकरी	अमेरा
29	बरदा	ढ़नढनी	लवन
30	खैरा	ढावाडीह	लवन
31	कोहरौद	कैलासगढ़	खैरा
32	छेछर	भदरा, मुड़पार	कटगी
33	कुसुमसरा	खर्वे, चकरवाय	कसडोल
34	पिसीद	देवरीखुर्द	कसडोल
35	कटगी	सेल	पिसिद
36	कसडोल	चिचपोल	पिसिद
37	देवरीनगेड़ी	चांदन	थरगांव
38	थरगांव	कुशगढ़	बया
39	हसुवा	गिधौरी, सेमराडीह	टुण्डरा

1	2	3	4
40	टुण्ड्रा	खपरीडीह	टुण्ड्री
41	सरसींवा	चोरभट्ठी	गाताडीह
42	सैहा	गितकेरा	सरसेनी
43	सीतापार	दतान	खैरा
44	कोनारी	मल्लीन	सीतापार
45	रोहांसी	खैरबारडीह	दतरेंगी
46	दतरेंगी	सेमरिया	रोहांसी
47	सरसेनी	चुचरूंगपुर	सैहा
48	छेरकापुर	बिनौरी	अमेरा
49	अमेरा	केसला	कोसमंदी
50	कोसमंदी	गातापार	दतान
51	रेंगाडीह	बोइरडीह	देवसुद्रा
52	कोदवा	संकरी	खरतोरा
53	गाड़ाभाठा	औरासी	रेंगाडीह
54	देवसुन्द्रा	परसवानी	गाड़ाभाठा
55	गिर्रा	गोड़ा	कोदवा
56	खरतोरा	लुटुडीह	जर्वे
57	जर्वे	सुन्द्रावन	गिर्रा
58	भवानीपुर	बिजराडीह	तेलासी
59	तेलासी	तमोरी	वटगन
60	वटगन	जगलोर	भवानीपुर
61	मल्दी	जेठानी	अर्जुनी
62	भाटापारा	सुरजपुरा	टेहका
63	निपनिया	खपरी एस	खैरा
64	रोहरा	देवरीडीह	विश्रामपुर
65	दामाखेड़ा	अड़बंधा, दरचुरा, अकलतरा	विश्रामपुर
66	चौरेंगा	दुलदुला	सिमगा
67	सिमगा	चुरचुटिया	चौरेंगा
68	पौंसरी	औरेठी	सिमगा
69	जांगडा	भाचाभाट, रेंगाबोड़, बुचीपार	रोहरा
70	खिलौरा	पौसरी	हथबंद
71	बिटकुली	खैरवारी	सुहेला
72	फरहदा	मटिया, आमाकोनी, टेकारी	शिकारीकेसली
73	हथबंद	झिरीया	पौसरी
74	शिकारी केसली	सिनोधा, गोरधी	फरहदा
75	रावन	भोथाडीह	गाडाभाठा
76	मोहरा	कुथरौद	सकलोर
77	सुहेला	चण्डी	सेम्हराडीह
78	सकलोर	कसहीडीह	मोहरा

अनुसूची–दो

क.	विद्यमान सोसायटी जो प्रभावित है (प्रभावित सोसायटी)	नवीन सोसायटी	नवीन सोसायटी का कार्यक्षेत्र (ग्रामो का नाम)
1	बोरसी	मुढीपार	पैरागुडा, पुटपुरा, भंरोडा, दौनाझर, घिरघोर, खुडमुडी, फरफदी, झालपानी, कटवाझर, दाढाहाखार, सुकदा, मुढीपार, भोथाही, पिपरछेडी, अर्जुनी, रिवासरार, बारेकेल, खैरा, बरबसपुर, बल्दाकछार, अवराई, बफरा, भिभौरी, गंडागड, अल्दा, सुरबाय
2	बया	बार	बार, हरदी ,दोंद , लाटादादर, मुढपार, पाडादाह ,सैहाभाठा ,अमगांव, लोरितखार ,अकलतरा ,चरौदा ,देवगांव ,बडगांव ,गबौद ,ढेबी ,ढेबा मोहदा, रवान, कौहाबाहरा ,मुरूमडीह, गजराडीह, दलदली ,तालाझर ,छतालडबरा

3	टुण्डरी	पुरगांव	अर्जुनी, करबाडबरी , कराचर्खला, करियाटार, खुरसुला, खैरझिटी, टाडापारा ,दाऊबंधान, देवरबोड़, भण्डोरा, मल्दी, रमतला, रामपुर, तौलीडीह, पुरगांव, भारतपुर ,भोथाडीह, मौहाडीह, लिमतरी, सिंधीटार
4	बिलाईगढ	धनसीर	धनसीर, छुईहा, जोगीडिपा, टेंगनाकछार, धौराभाठा, सुरगुली, दयालपुर, सलिहा, मलुहा, परसापाली, भोगडीह, गारडीह
5	भटगांव	धनगांव	जोरा, ओटगन, जुनवानी, हरदी, खपरीडीह, नवापारा, देवरहा, धनगांव, तौलीडीह, कोसमकुण्डा, साल्हेवना, जैतपुर, बलौदी ,लखुर्रीडीह, रोहिना, सोनियाडीह, धोबनीडीह, गिरसा, पिपरभवना, तेन्दुवा, बेन्दुवा, करनापाली
6	गाताडीह	मुच्छमल्दा	मुच्छमल्दा, भिनोदी, शितलपुर, सेन्दुरस, भिनोदा, सेमरिया, गगोरी, खम्हरिया, गोपालपुर, धौराभांठा, साजापाली, मधुबनखुर्द, घोघरा, घोघरी
7	गिरौद	सोनाखान	अर्जुनी, सिरमाल, सराईपाली, गांजरडीह, कसौदी, सोनाखान, महकम, वीरनारायणपुर, बंगलापाली, चन्हाट, नवागांव, तालदादर, कोठारी, कोहाकुडा, जोगीडीपा, कंजिया, सलिहाभाठा, चिखली, बिटकुली, मिरगिदा, पठीयापाली, बासीनपाली, देवतरई, सण्डी, सारसडोल, बलार नवागांव, पोडी
8	बलौदी	टिपावन	टिपावन, लकडिया, नवागांव
9	पलारी	दतान	दतान, सकरी
10	अर्जुनी	खैरी	बोरसी, खैरी, कुकदा, अचानकपुर, बेन्दरी, पौसरी

अनुसूची–तीन

क.	विद्यमान सोसायटी जो प्रभावित है (प्रभावित क्षेत्र)	अपवर्जित कार्यक्षेत्र (ग्रामों का नाम)	विद्यमान सोसायटी जिसमें अपवर्जित क्षेत्र जुड़ा है (परिणामी सोसायटी)	नवीन सोसाइटी जिसमें अपवर्जित क्षेत्र जुड़ा है
1	2	3	4	5
निरंक				

संचालक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, छत्तीसगढ़ द्वारा शासकीय मुद्रणालय, रायपुर से मुद्रित तथा प्रकाशित – 2019.